नईदुनिया

उत्तराखंड में बद्रीनाथ हाईवे का 30 मीटर हिस्सा बहा, भारी बारिश से पांच राज्यों में अलर्ट

काशी में गलियों और छतों पर अंतिम संस्कार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद उत्तर प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है। वाराणसी में भारी बारिश के कारण गंगा और प्रयागराज में यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। काशी के मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल पानी में डूब गए हैं। इसके चलते गलियों और छतों पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में देर रात से रुक-रुककर बारिश जारी है। चमोली में भूस्खलन के कारण निजमुला मार्ग बंद हो गया है। बद्रीनाथ हाईवे पर जोशीमठ-मरवाड़ी पुल से आगे हाथीपहाड़ के पास करीब 30 मीटर सड़क बह गई। हाईवे बंद होने से बद्रीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा प्रभावित हुई है। बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड समेत पांच राज्यों में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बिहार के खगड़िया जिले के परबत्ता में सरकारी स्कूल में घुटने तक पानी भरने के कारण स्कूल बंद कर दिया गया।

कानपुर में बुधवार को करीब एक घंटे तेज बारिश हुई। इसके कारण शहर की वीआईपी रोड पर करीब पांच फीट गहरा गड्ढा हो गया। लखनऊ में करीब दो घंटे हुई मूसलाधार बारिश के बाद मरीन ड्राइव क्षेत्र में पानी भर गया। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना इलाके में भी तेज बारिश के कारण सड़क पर पानी भर गया। जयपुर में बुधवार दोपहर बाद करीब एक घंटे तेज बारिश हुई, जिससे शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। बारिश के कारण उत्तर भारत के कई हिस्सों में यातायात और जनजीवन प्रभावित हुआ है। उत्तराखंड में सड़क बहने और भूस्खलन से यात्रा प्रभावित हुई है, जबकि कई मैदानी इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। नेपाल में बाढ़ के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में भी प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

ग्रेटर नोएडा के किसानों को बड़ी राहत, मुआवजा राशि में 55.5% बढ़ोतरी

- प्राधिकरण ने 6 प्रतिशत आबादी प्लॉट देने का भी किया ऐलान

नईदुनिया ब्यूरो, ग्रेटर नोएडाः ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने किसानों के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्राधिकरण ने किसानों को मिलने वाले मुआवजे में 55.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही किसानों को 6 प्रतिशत आबादी प्लॉट देने की व्यवस्था भी जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

प्राधिकरण के इस फैसले से जमीन अधिग्रहण से जुड़े किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा। लंबे समय से किसान मुआवजे में वृद्धि और आबादी प्लॉट की मांग कर रहे थे। अब प्राधिकरण ने उनकी मांगों को ध्यान में रखते हुए मुआवजा दर बढ़ाने का निर्णय लिया है।

नई व्यवस्था के तहत जमीन देने वाले किसानों को पहले की तुलना में अधिक राशि मिलेगी। इसके अलावा 6 प्रतिशत आबादी प्लॉट का लाभ भी पात्र किसानों को दिया जाएगा। इससे किसानों को पुनर्वास और आर्थिक सुरक्षा में मदद मिलने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में विकास परियोजनाओं के लिए समय-समय पर किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जाता रहा है। इसके चलते किसान लंबे समय से उचित मुआवजे और अन्य सुविधाओं की मांग उठा रहे थे।

प्राधिकरण के इस फैसले को किसानों के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुआवजा बढ़ने से जमीन अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता मिलेगी और विकास कार्यों को भी गति मिलने की संभावना है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मुआवजा वृद्धि और आबादी प्लॉट की सुविधा से किसानों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार ने ऑटो-टैक्सी चालकों को मराठी सीखने एक साल दी मोहलत

निर्णयः मुख्यमंत्री फडणवीस बोले- बुजुर्ग चालकों को भाषा सीखने में लगेगा समय, फिलहाल कार्रवाई नहीं

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने मराठी भाषा नहीं जानने वाले ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को मराठी सीखने के लिए एक साल का समय दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को कहा कि इस अवधि के दौरान चालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालक संगठनों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर नियम का पालन करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। इसके बाद सरकार ने समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में काम करने वाले चालकों के लिए मराठी की सामान्य जानकारी जरूरी होने के प्रस्ताव का संगठनों ने समर्थन किया है।

फडणवीस ने कहा कि ड्राइवर अलग-अलग उम्र वर्ग के हैं और कई लोग लंबे समय से पढ़ाई से दूर रहे हैं। ऐसे में उन्हें नई भाषा सीखने के लिए पर्याप्त समय देना जरूरी है। महाराष्ट्र में मराठी सीखने को लेकर पहले विवाद भी सामने आया था। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने 19 अगस्त को घोषणा की थी कि मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवरों के लिए इसे सीखना जरूरी होगा। उन्होंने कहा था कि चालकों को पहले नोटिस देकर तीन महीने का समय दिया जाएगा और इसके बाद भी भाषा नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज निलंबित किए जा सकते हैं। इसके बाद 24 अगस्त को मुंबई में कुछ ऑटो-रिक्शा चालकों ने इस नियम के विरोध में हड़ताल की थी। गैर-मराठी भाषी चालकों का कहना था कि नई भाषा सीखना उनके लिए कठिन होगा। कुछ बुजुर्ग चालकों ने कहा था कि उम्र बढ़ने के बाद भाषा सीखने में परेशानी आती है और उनके सामने परिवार चलाने की जिम्मेदारी भी है।

सरकार के अनुसार, महाराष्ट्र में करीब 9.16 लाख ऑटो-रिक्शा और 61,657 टैक्सियां हैं। इनमें बड़ी संख्या मुंबई महानगर क्षेत्र में संचालित होती हैं। सरकार की योजना करीब 6 लाख ऑटो और टैक्सी चालकों को मराठी भाषा सीखने के अभियान से जोड़ने की है। परिवहन मंत्री के अनुसार, कुछ महीने पहले शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1,65,601 चालक शामिल हो चुके हैं। सरकार का उद्देश्य चालकों को यात्रियों से बेहतर संवाद के लिए मराठी का सामान्य ज्ञान उपलब्ध कराना है।

यही बच्चे आगे चलाएंगे देशः अमरप्रीत सिंह

नईदुनिया ब्यूरो, गोरखपुरः एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह गुरुवार को पत्नी सरिता सिंह के साथ गोरखपुर के माथाबारी गांव स्थित सरस्वती गुरुकुल पहुंचे। यहां उनका फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि यही बच्चे एक दिन देश को चलाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान एयर चीफ मार्शल की पत्नी सरिता सिंह ने गुरुकुल में बनाई गई लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित नाटक का मंचन किया। प्रस्तुति में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत की कार्रवाई को दर्शाया गया। कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय के नारे भी लगाए गए।

एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को सबसे पहले अच्छा इंसान बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे अच्छे इंसान बनेंगे तो वे भविष्य में बेहतर काम करेंगे।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय में मंत्री की पत्नी की बढ़ती भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

- जेनिफर हेगसेथ पर गोपनीय बैठकों में शामिल होने और स्टाफ चयन में दखल के आरोप

न्यूयॉर्क, एजेंसीः अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की पत्नी जेनिफर हेगसेथ की भूमिका को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि जेनिफर रक्षा मंत्री के साथ रणनीतिक बैठकों, स्टाफ चयन और विभागीय फैसलों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

जेनिफर पहले पत्रकार और टीवी शो प्रोड्यूसर रह चुकी हैं। उनकी पीट हेगसेथ से मुलाकात वर्ष 2014 में एक टीवी चैनल में हुई थी, जहां पीट एंकर थे और जेनिफर उनके शो की प्रोड्यूसर थीं। दोनों ने वर्ष 2019 में शादी की।

जेनिफर की भूमिका उस समय चर्चा में आई, जब वह यमन में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से जुड़ी एक सिग्नल चैट बैठक में शामिल हुईं। इस बैठक में हमले की योजना से जुड़ी जानकारी साझा की गई थी। इसके अलावा मार्च 2025 में ब्रिटिश रक्षा अधिकारियों के साथ हुई एक गोपनीय बैठक में भी उनकी मौजूदगी को लेकर सवाल उठे थे। रिपोर्टों के अनुसार, जेनिफर रक्षा विभाग में मीडिया रणनीति और संचार से जुड़े मामलों में भी सक्रिय रही हैं। उन्होंने रक्षा विभाग के अधिकारियों के इंटरव्यू लिए और मीडिया से जुड़े मुद्दों पर भी काम किया।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें सैन्य परिवारों से जुड़े मिलिट्री स्पाउस कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया है। जेनिफर की भूमिका को लेकर कुछ सैन्य अधिकारियों और सांसदों ने आपत्ति जताई है। पूर्व मुख्य प्रवक्ता जॉन उलीओट ने कहा कि रक्षा मंत्री की पत्नी को गोपनीय सैन्य जिम्मेदारियों में शामिल करना चिंता का विषय है। सीनेटर क्रिस कून्स ने भी कहा कि रक्षा मंत्री को मिली उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी किसी अन्य व्यक्ति को नहीं सौंपी जा सकती। हालांकि, जेनिफर की भूमिका को लेकर उठे आरोपों पर रक्षा मंत्रालय की ओर से कोई विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

भारत का लोकतंत्र दबाव में आया लेकिन टूटा नहीं: सांसद थरूर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हालिया जेन=जी विरोध प्रदर्शनों को लेकर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सराहना की है। उन्होंने कहा कि भारत का राजनीतिक सिस्टम दबाव में जरूर आया, लेकिन वह टूटा नहीं। यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता है। थरूर ने यह बात दक्षिण एशिया की राजनीतिक व्यवस्थाओं और युवाओं के विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा के दौरान कही। उन्होंने भारत की स्थिति की तुलना उन देशों से की, जहां हाल के वर्षों में युवाओं ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले करीब एक दशक में दक्षिण एशिया के छह प्रमुख देशों म्यांमार, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और भारत में युवाओं के बड़े प्रदर्शन हुए हैं। इन प्रदर्शनों के पीछे अलग-अलग कारण रहे, लेकिन इनमें जेन=जी का असंतोष प्रमुख रहा।

थरूर ने कहा कि बांग्लादेश और श्रीलंका में युवाओं के विरोध के कारण वहां की सरकारों को सत्ता छोड़नी पड़ी। नेपाल में भी सरकार में बदलाव हुआ, जबकि पाकिस्तान और म्यांमार में राजनीतिक हालात अलग दिशा में गए। उन्होंने कहा कि इन देशों की तुलना में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला।

उन्होंने कहा कि भारत में राजनीतिक व्यवस्था इतनी सक्षम रही कि उसने बदलती परिस्थितियों को पहचाना और उसके अनुसार प्रतिक्रिया दी। थरूर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दबाव में आकर इस्तीफे की मांग के सामने नहीं झुकती, लेकिन एक मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।

उग्रवादियों ने घात लगाकर किया हमला, चार की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, इंफालः *मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार को उग्रवादियों ने एक वाहन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, हमला जिले के मकुई अशांग और थाबांबा नागा के बीच एक सुनसान इलाके में हुआ। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने क्षेत्र में अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि हमले के बाद एक व्यक्ति लापता है, जिसकी तलाश की जा रही है। मृतकों की पहचान लियांगमई नागा समुदाय के लोगों के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, हमले के समय ही चारों लोगों की मौके पर मौत हो गई थी। सुरक्षा बलों को घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया। हमले में शामिल उग्रवादियों की पहचान और उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। कांगपोकपी जिले में हुए इस हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।*

बोइंग पर नई फिल्म चर्चा में

कैनेडी परिवार की विरासत से अलग रोरी ने डॉक्यूमेंट्री जगत में बनाई पहचान

सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर 35 से अधिक फिल्में बना चुकी हैं रोरी

वॉशिंगटन, एजेंसीः अमेरिका के प्रसिद्ध कैनेडी परिवार से जुड़ी रोरी कैनेडी ने राजनीति की बजाय डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की भतीजी रोरी ने सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर कई चर्चित डॉक्यूमेंट्री फिल्में बनाई हैं। रोरी के पिता सीनेटर रॉबर्ट कैनेडी थे, जो जॉन एफ. कैनेडी के छोटे भाई थे। कैनेडी परिवार का इतिहास कई त्रासद घटनाओं से जुड़ा रहा है। वर्ष 1968 में रोरी के जन्म से पहले ही उनके अंकल जॉन एफ. कैनेडी और पिता रॉबर्ट कैनेडी की हत्या हो चुकी थी।

ब्राउन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने वाली रोरी बताती हैं कि कॉलेज के समय अमेरिका में केबल टीवी का विस्तार हो रहा था, जिससे उनका फिल्मों की ओर रुझान बढ़ा। आयरिश परिवार में पली-बढ़ी रोरी को कहानी कहने की परंपरा से भी प्रेरणा मिली। रोरी ने अपनी फिल्मों में राजनीतिक फैसलों और सरकारी नीतियों से प्रभावित लोगों की कहानियों को प्रमुखता दी। इराक की अबू गरेब जेल पर बनी उनकी फिल्म को एमी अवॉर्ड मिला, जबकि वियतनाम युद्ध के अंतिम दौर पर आधारित फिल्म ऑस्कर के लिए नामांकित हुई।

अब तक रोरी 35 से अधिक डॉक्यूमेंट्री फिल्में बना चुकी हैं। इन दिनों उनकी नई फिल्म 'फ्री फॉल : अ रेकनिंग फॉर बोइंग' चर्चा में है। यह फिल्म विमानन कंपनी बोइंग के अंदरूनी मामलों और सुरक्षा से जुड़े सवालों पर आधारित है। यह फिल्म वर्ष 2022 में आई उनकी डॉक्यूमेंट्री 'डाउनफॉल : द केस अगेंस्ट बोइंग' की अगली कड़ी है। इसमें कंपनी के व्हिसल ब्लोअर्स के अनुभवों के माध्यम से सुरक्षा और जवाबदेही से जुड़े मुद्दों को सामने रखा गया है। रोरी के अनुसार, पहली फिल्म के बाद भी बोइंग से जुड़ी समस्याएं सामने आती रहीं।

नकली बीपी दवाओं की सप्लाई करने वाला गिरोह पकड़ाया

नईदुनिया ब्यूरो, अहमदाबादः अहमदाबाद सिटी क्राइम ब्रांच ने हाई ब्लड प्रेशर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली नकली दवाओं की सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की शिकायत के बाद की गई। कंपनी ने गुजरात फूड एंड ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन में नकली निकार्डिया रिटार्ड 10 (निफेडिपिन सस्टेन्ड रिलीज टैबलेट्स आईपी 10 एमजी) के बाजार में प्रसार और बिक्री को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद नकली दवाओं के स्रोत का पता लगाने और इसमें शामिल लोगों की पहचान के लिए क्राइम ब्रांच और फूड एंड ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन की अलग-अलग टीमें गठित की गईं। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ कर नकली दवाओं की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस और खाद्य एवं औषधि विभाग की टीमें दवा के निर्माण, सप्लाई और बिक्री से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं।

खुलासा *ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वेस्टर्न एयर कमांड की भूमिका पर साझा किए अनुभव...*

एस-400 की लोकेशन जानने पाक ने लगाए थे जासूसः एयर मार्शल

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य तनाव के दौरान भारत की एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर पाकिस्तान ने जानकारी जुटाने की कोशिश की थी। वेस्टर्न एयर कमांड की कमान संभालने वाले एयर मार्शल ने बताया कि पाकिस्तान एस-400 की लोकेशन का पता लगाने के लिए जासूसों का इस्तेमाल कर रहा था। एयर मार्शल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने आधुनिक तकनीक और रणनीति के साथ जवाब दिया। एस-400 जैसी अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली ने देश की हवाई सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की ओर से एस-400 की तैनाती और उसकी स्थिति की जानकारी हासिल करने के प्रयास किए गए थे। इसके लिए खुफिया गतिविधियों का सहारा लिया गया, लेकिन भारतीय सुरक्षा व्यवस्था ने इन कोशिशों को सफल नहीं होने दिया।

आधुनिक युद्ध में सूचनाओं की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण : एयर मार्शल ने कहा कि आधुनिक युद्ध में केवल हथियारों की क्षमता ही नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेना और सूचनाओं की सुरक्षा भी बेहद महत्वपूर्ण है।

भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इन सभी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि एस-400 प्रणाली दुश्मन के विमानों, मिसाइलों और अन्य हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है। इसकी लंबी दूरी तक निगरानी और लक्ष्य को रोकने की क्षमता भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूती देती है।

वेस्टर्न एयर कमांड ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी संभाली थी। एयर मार्शल ने कहा कि इस अभियान में वायुसेना के जवानों ने बेहतर तालमेल और पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों में तकनीक, खुफिया जानकारी और तेज निर्णय लेने की क्षमता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को लगातार आधुनिक बना रहा है और नई तकनीकों को शामिल कर रहा है। एस-400 प्रणाली भारत की रक्षा तैयारियों में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके जरिए देश ने अपनी हवाई सुरक्षा को और मजबूत किया है।